

12.21 hrs.

ADJOURNMENT MOTION

Re : Reported intrusion of Chinese Army in Arunachal Pradesh

Title: Regarding transgression of Line of Actual Control by chinese forces in Anunachal Pradesh. (Adjournment notices disallowed by the Speaker).

MR. SPEAKER: Now, we go to the notice of Adjournment Motion. There are a number of subjects of great importance particularly, the subject of intrusion by the Chinese army in Arunachal Pradesh was the subject which was raised here, which is of great importance. Shri Chandra Nath Singh and Shri Ramji Lal Suman had already raised this issue. I want to know from the Government what the present position is.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुमा स्वराज) : अध्यक्ष महोदय, विदेश मंत्री स्वयं यहां उपस्थित हैं, वह इसका जवाब देंगे।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, उनसे पहले हमें दो मिनट बोलने दीजिए। (व्यवधान)

श्री रतन लाल कटारिया (अम्बाला) : अध्यक्ष महोदय, जिस मੈम्बर का मोशन है, उसे पहले बोलने दिया जाए। If you allow him, we will also speak.

अध्यक्ष महोदय : आपको अपनी बात कहने का समय देना या न देना मैं उनके उत्तर के बाद देखूंगा। अभी विदेश मंत्री जी बोलेंगे, प्लीज आप बैठिये। इतना महत्त्वपूर्ण विषय है तथा सभी के नोटिस मेरे पास हैं।

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI YASHWANT SINHA): Mr. Speaker, Sir, the Government is aware of the transgression of the Line of Actual Control by a Chinese patrol on 26th June 2003 in the Asaphila area of Upper Subansiri District of Arunachal Pradesh. This is an area where there are differences in the perception of the Line of Actual Control between the two sides, India and China. Sir, the agreement of 1996 between the two countries on confidence building measures in the military field along the LAC on the India-China border areas contains a specific provision for the manner in which situations involving face to face contact between personnel or patrols of the two sides are to be handled. In this case, these provisions do not appear to have been observed by the Chinese side. This matter has already been taken up through the diplomatic channels and a response from the Chinese side is awaited.

Sir, I would also like to mention here that from time to time, on account of differences in perception with regard to the Line of Actual Control, situations have arisen on the ground that could have been avoided if we had a common perception of the Line of Actual Control. Such isolated incidents can occur sporadically. As the hon. Members are aware, the process of clarification of the LAC is underway. The Government of India regularly takes up with the Chinese authorities the violations of the Line of Actual Control, according to our perception, by the Chinese side through the established mechanism.

This is what I would like to say on behalf of the Government. ...*(Interruptions)*

MR. SPEAKER: Shri Jagmeet Singh Brar, I would permit you also to speak later.

...*(Interruptions)*

श्री सुरेश रामराव जाधव (परभनी) : अध्यक्ष महोदय, मैंने भी इस मामले पर नोटिस दिया है।

अध्यक्ष महोदय : आपका भी नोटिस है। आपको भी बोलने की इजाजत दी जाएगी।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मेरा विनम्रतापूर्वक यह निवेदन करना था जो मेरी मंशा थी कि माननीय प्रधान मंत्री जी चीन और अन्य देशों की यात्रा पर गए थे और उनका बयान इस सम्माननीय सदन में हुआ था। हम चाहते हैं कि उस बयान पर विस्तार से चर्चा हो। आज के समाचार-पत्रों में जो छपा है वह मैं आपको बताना चाहता हूँ। अमर उजाला की प्रति मेरे पास है। इसमें लिखा है - अटल चीन में, चीनी फौज अरुणाचल प्रदेश में। दूसरा बयान टाइम्स ऑफ इंडिया में इस बारे में छपा है - "Official Chinese site says Sikkim, not part of India". अध्यक्ष महोदय, माननीय विदेश मंत्री जी ने जो कहा, उसमें हमें सिर्फ यही निवेदन करना है कि $\hat{\text{A}}\text{E}$ । (व्यवधान)

DR. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): Sir, when a statement is made by a Minister, no discussion takes place on that statement.

MR. SPEAKER: I must tell you for your information that the discussion is not on the Minister's statement. Shri Ramjilal Suman had given a notice for an Adjournment Motion. I had asked for the facts from the hon. Minister. The facts have been placed before me and before I give a ruling, I want to listen to Shri Suman.

श्री रामजीलाल सुमन : मैं निवेदन कर रहा था कि आज समाचार-पत्रों में जो खबरें छपी हैं, उसमें चीन ने यह कहा कि सिक्किम भारत का हिस्सा नहीं है। दूसरा,

जब प्रधान मंत्री चीन में थे, उस समय अरुणाचल प्रदेश में चीन की फौज घुस गई। जैसा अभी माननीय विदेश मंत्री जी ने कहा, इस सिलसिले में मैं कहना चाहूँगा कि लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के 14 किलोमीटर अंदर तक ये सेनाएं घुसीं। मैं विदेश मंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगा कि यह मेरी नहीं बल्कि आई.बी. की रिपोर्ट है और आपकी फौज के लोगों ने उसकी पुष्टि की है। इस आशय की एक रिपोर्ट अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव को प्राप्त हुई है। यह बहुत गंभीर मामला है। तिब्बत का मामला भी बहुत उलझा हुआ है। तिब्बत के मामले पर भी जब प्रधान मंत्री बात करते हैं तो हम सिर्फ टीएआर की बात करते हैं। वह दो तिहाई हिस्सा जो 1965 में चीन ने अपने हिस्से में कर लिया था, उस सिलसिले में हमारी क्या नीति है? मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि तिब्बत का मामला अरुणाचल प्रदेश का मामला और सिक्किम का मामला, तीनों मामले बहुत ही संवेदनशील हैं। सरकार इस संबंध में व्यवस्था सुनिश्चित करे। प्रधान मंत्री जी के बयान पर विस्तार से सदन चर्चा करे यही मुझे निवेदन करना है। **â€¦(व्यवधान)**

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो बयान दिया है, वह इतना अदृशपूर्ण बयान है कि यही बयान कल इनके मंत्रालय के जरिये जारी किया गया। प्रश्न यह है कि नेशनल सिक्यूरिटी के उमर, राष्ट्रीय सुरक्षा के उमर सरकार की क्या नीति है? इस नीति से यह ज़ाहिर होता है कि पहले प्रधान मंत्री जब लाहौर बस यात्रा में पाकिस्तान गए तो कारगिल हुआ और अब उसके बाद जब प्रधान मंत्री साइनो इंडिया के तमाम बयान जारी कर रहे हैं कि कैलाश मानसरोवर खुल रहा है, सिक्किम की कोई कंट्रोवर्सी नहीं है, तिब्बत पर हमारा स्टैन्ड सेम है, इसके बावजूद मंत्री जी ने यह नहीं बताया कि अरुणाचल के बॉर्डर पर there were ten Intelligence Bureau officers who were interrogated and told that they should never enter that territory. We are aware from the statement of the Minister that there is a 4,000 kilometre border. **â€¦(व्यवधान)** आज राष्ट्रीय सुरक्षा का जो वातावरण बना है, लीडर ऑफ अपोज़ीशन का जो बयान आया कि 4200 करोड़ रुपया जो कारगिल के संबंध में इकट्ठा किया गया, उसको भी नहीं लगाया गया सिक्यूरिटी के लिए।

ये जो लैप्सेस हो रहे हैं - The basic question is of the lapses in the National Security and the Government is not taking this matter seriously. ...**(Interruptions)**

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैंने कार्य-स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है क्योंकि यह देश की सुरक्षा का सवाल है और बहुत महत्वपूर्ण विषय है। इसलिए समस्त कार्यवाही रोक कर इस विषय पर मैं सदन में चर्चा कराने का आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ क्योंकि यह सरकार इतनी कमजोर है और सरकार की कोई नीति नहीं है। मैं विदेश मंत्रालय की सलाहकार समिति का भी सदस्य हूँ। इस विषय को मैंने वहाँ भी मंत्री महोदय के सम्मुख प्रस्तुत किया था। इसलिए मैं इस विषय पर सदन में चर्चा कराना चाहता हूँ।

महोदय, एक तरफ तो हम पाकिस्तान पर कोई अंकुश नहीं लगा पा रहे हैं क्योंकि कोई न कोई घटना रोज हो रही है। घुसपैठिए आ रहे हैं और हमारे देश के निर्दोष नागरिकों और फौजियों की हत्या कर रहे हैं। लोक सभा से एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित हुआ कि भारत को पाकिस्तान द्वारा की जा रही कार्रवाई का कोई न कोई प्रतिकार करना चाहिए और सरकार जिस रूप में भी पाकिस्तान के विरुद्ध कार्रवाई करेगी, संपूर्ण विपक्ष सरकार के साथ रहेगा, लेकिन सरकार बिलकुल नपुंसक की तरह रही और कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। इसलिए मैं आपसे जानना चाहता हूँ कि प्रधान मंत्री जी की चीन यात्रा के क्या परिणाम रहे क्योंकि चीन ने आज भी देश की तमाम भूमि पर अपना कब्जा कर रखा है। उसकी सेनाएं वहाँ बैठी हैं। ऐसी स्थिति में जो भूमि उसने अपने कब्जे में कर रखी है वह भारत का एक अभिन्न अंग है, इस बारे में सरकार की क्या नीति है, इस पर मैं सदन में चर्चा कराना चाहता हूँ। मैं विदेश मंत्री से जानना चाहता हूँ कि हमारी कितनी सीमा **â€¦(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: I have heard the arguments from different Members on admissibility of the Adjournment Motion. After listening to the hon. Minister of External Affairs' statement on the issue, I have not been able to accept the Adjournment Motion nor the other Adjournment Motions, which have been placed before me. Now but I am going to the 'Zero Hour'. Shri Suresh Ramrao Jadhav has given a notice for 'Zero Hour'. Therefore, he is allowed to speak.

...**(Interruptions)**

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमारी प्रार्थना यह है कि प्रधान मंत्री जी के बयान पर सदन में चर्चा हो जाए। **â€¦(व्यवधान)**

*m07

श्री शिवराज वि.पाटील (लातूर) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है और विदेश कार्य मंत्री महोदय ने उसका जवाब दिया है। यह विषय ऐसा है कि इसके बारे में गलतफहमियाँ नहीं होनी चाहिए क्योंकि इसमें दोनों देशों के सम्बन्धों का भी प्रश्न है। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस विषय को स्थगन प्रस्ताव में लाकर चर्चा नहीं करानी चाहिए।

महोदय, कार्य-मंत्रणा समिति की बैठक में भी कहा गया था कि प्रधान मंत्री जी की चीन यात्रा पर अगर आप चर्चा करना चाहते हैं, तो चर्चा कर सकते हैं। इस सदन में आज मंत्री महोदय, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट प्रस्तुत कर रही हैं, यदि उसमें इस विषय का भी समावेश हो जाए, तो अच्छा रहेगा।

*m08

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय पाटील जी ने कहा कि बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में कहा गया कि इस विषय पर बहस कर लो, वह ठीक है, लेकिन मेरा निवेदन है कि थोड़ा गवर्नमेंट का काम भी निकाल लीजिए।

अध्यक्ष महोदय : मैं आपके सुझाव को भी उपयोगी मानता हूँ।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है **â€¦(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : रामजी लाल सुमन जी, क्या आपको कभी थकावट नहीं होती ?

...**(व्यवधान)**